Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-102

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप, नित्यकर्म व देवपूजन

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. व्रत एंव पर्व से आप क्या समझते है? प्रमुख व्रत–पर्वों का उल्लेख कीजिये।

P.T.O.

Q.2. उपनयन की वैज्ञानिकता सिद्ध कीजिये।

Q.3. संस्कार से क्या तात्पर्य है? षोडश संस्कार का वर्णन कीजिये।

Q.4. श्रीमहालक्ष्मी पूजन विधि का विस्तृत विवेचन कीजिये।

Q.5. श्री सत्यनारायण जी का स्वरूप विचार करते हुए पुरूष सूक्त का पाठ लेखन कीजिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. नित्यकर्म के अन्तर्गत क्या–क्या आता है?

Q.2. विवाह संस्कार क्या है?

Q.3. त्रिकाल सन्ध्या का वर्णन कीजिये।

Q.4. मन्त्रसहित गणेशाम्बिका पूजन विधि लिखिये।

Q.5. षोडशमातृका पूजन कैसे होता है?

Q.6. गणेश जी के स्वरूप का तात्विक विवेचन कीजिये।

Q.7. दुर्गा जी का माहात्म्य लिखियें।

अथवा

दुर्गापाठ विधि को लिखिए।

Q.8. कर्मकाण्ड की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।

****